भगवान भरोसे चल रहा है महाविद्यालय का पठन-पाठन

शासकीय महाविद्यालय रजमिलान में मंगलवार को नहीं खुले कक्षों के ताले, अभाविप के छात्रों ने खोली पोल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। शासकीय महाविद्यालय रजमिलान का पठन-पाठन भगवान भरोसे है। आलम यह है कि आज दिन मंगलवार को पूरे दिन एक भी कक्षाएं संचालित नही थी। प्रोफेसर नदारत रहे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बैढ़न के छात्रों ने आज अचानक महाविद्यालय का पहुंच कर जायजा लिया। जहां उन्होंने महाविद्यालय के अव्यवस्थाओं का पोल खोल दिया है।

दरअसल जिले के अधिकांश शासकीय कॉलोजो के व्यवस्थाएं बेपटरी पर हैं। एक्सीलेंस प्रधान मंत्री कॉलेज बैढ़न, कन्या महाविद्यालय से लेकर अधिकांश महाविद्यालय के पठन-पाठन समेत अन्य व्यवस्थाएं लुंजपुंज हैं। आलम यह है कि कई प्राध्यापको की मनमानी कार्यप्रणाली और प्राचार्य की उदासीनता के चलते कई कक्षाएं लगती हीं नही है। पिछले सप्ताह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बैढ़न के छात्र-छात्राओं ने डिग्री कॉलेज बैढ़न के सामने धरना प्रदर्शन कर प्राचार्य एवं प्रशासन को चेताया भी था। जबकि इसके पूर्व कन्या महाविद्यालय बैढ़न के छात्राओं ने भी महाविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करते हुये धरना दी थी। इन सब के बावजूद महाविद्यालय प्राचार्यो की न तो ऑखे खुली और न ही स्पष्ट नारों की गुंज सुनाई नही दी। इसी का परिणाम है कि महाविद्यालयों की व्यवस्थाएं नही सुधरी हैं। शास. महाविद्यालय रजमिलान आज उसका जीता जागता प्रमाण भी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष राहुल कुमार नगर मंत्री, अजीत शाह अध्यक्ष महाविद्यालय बैढ़न ने संयुक्त रूप से रजमिलान महाविद्यालय पहुंचे, कॉलेज का नजारा देखकर भौचक्का रह गये। आलम यह था कि एक भी कक्षाएं संचालित नही थी और न ही कोई छात्र-छात्राएं नजर आये और यहां तक कि एक भी प्रोफेसर एवं अतिथि विद्यावन नही दिखे। केवल भृत्य नजर आया। अभाविप के छात्रों ने प्राचार्य से फोन पर बात किया तो, उन्होंने बताए कि सिंगरौली आये हुये हैं, प्रभार दूसरे प्रोफेसर के पास है और इन्होंने तीसरे प्रोफेसर को प्रभार दे दिया है और तीसरे प्रोफेसर भी महाविद्यालय में नही आये हुये थे। फिलहाल महाविद्यालयों के पठन-पाठन की लचर व्यवस्था को लेकर अभाविप के पदाधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है।

प्रभार पर प्रभार, महाविद्यालय का चल रहा कामकाज

हैरानी की बात है कि महाविद्यालय प्रभार पर प्रभार है। यहां के प्राचार्य आज किसी कार्य के लिए सिंगरौली आये हुये थे। उन्होंने अपना प्रभार दूसरे प्रोफेसर को दिया था। दूसरे प्रोफेसर भी महाविद्यालय नही पहुंचे। उन्होंने अन्य तीसरे प्रोफेसर को प्रभार दे दिया और यह भी साहब नही आये। अभाविप के द्वारा सवाल उठाया जा रहा है कि क्या महाविद्यालय का पठन-पाठन इसी तरह से चलेगा, या फिर जानबूझकर छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने सवाल किया है कि लाखों-करोड़ों रूपये की लागत से महाविद्यालय भवन बना हुआ है और उम्मीद यही थी कि बच्चों की अच्छी शिक्षा मिलेगी। लेकिन ऐसा नही है, शासन-प्रशासन इस मामले में गंभीर नही है। जिसके चलते यहां के सैकड़ों छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है।

250 से अधिक अध्ययनरत हैं छात्र-छात्राएं

जिले के शासकीय महाविद्यालय रजमिलान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की संख्या करीब 250 है और यहां 5 प्रोफेसर भी हैं। महाविद्यालय में बीए एवं बी-कॉम का पाठक्रम संचालित है। परंतु आज दिन मंगलवार को एक भी कक्षाएं संचालित नही थी। अधिकांश कक्षाओं के कमरों में ताला लटका हुआ मिला और महाविद्यालय परिसर में भी प्रोफेसरों के अलावा छात्र-छात्राएं भी दूर-दूर तक नजर नही आयें। इससे क्या माना जाए कि आज छात्र-छात्राओं को भी बता दिया गया था कि आज क्लास नही लगने वाली है या फिर आज की तरह पिछले अन्य दिनों में भी इसी तरह का नजारा रहा होगा। इस तरह के आरोप अभाविप के छात्रों ने लगाकर महाविद्यालय व्यवस्था के साथ-साथ पठन-पाठन पर प्रश्न चिन्ह जहां लगने लगा है, वहीं महाविद्यालय प्रबंधन सवालों के कटघरें में है।

कंपनी में फंसी जमीन का मुआवजा दिलाने कलेक्टर से लगाई गुहार

जनसुनवाई में 7 बार की शिकायत, नहीं मिला न्याय

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। तहसील सरई अंतर्गत ग्राम बेलवार निवासी रामप्रसाद शाह पिता सीताराम शाह ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी जमीन का मुआवजा दिलाने अथवा भूमि वापस दिलाने की मांग की है। प्रार्थी का कहना है कि उसकी खसरा नंबर 541/7 की लगभग 10 डिसमिल भूमि एपीएमडीसी कोल माइंस सुलियरी के अधीन आ गई है, लेकिन आज तक उसे न तो मुआवजा मिला और न ही कोई वैकल्पिक प्लॉट दिया गया।

रामप्रसाद शाह ने बताया कि उसने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाकर निवास किया था, जिसे कंपनी द्वारा जबरन तोड़ दिया गया। जब परिवार के लोग इसका विरोध करते हैं तो कंपनी कर्मचारी पुलिस बुलाकर उन पर झूठी शिकायत दर्ज कराने की धमकी देते हैं। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में

रामप्रसाद साह ने मांग की है कि उसकी जमीन का नियमानुसार मुआवजा तत्काल दिलाया जाए अथवा जमीन उसे वापस सौंपी जाए। उसने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी और पुलिस की मिलीभगत से गरीब किसान को डराया-धमकाया जा रहा है। पीड़ित परिवार को न्याय की आस अब जिला प्रशासन से है। कलेक्टर कार्यालय में दिए गए आवेदन के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी और किसान को उसका हक मिलेगा।

एक नजर में

इंजीं विवेक को मिली प्रदेश सचिव शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी

देवसर। आप के क्रांतिकारी एवं युवा नेता इंजीनियर विवेक सोनी को केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व की सहमत के आधार पर म.प्र. में शिक्षा विभाग में प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सोपी गई है, इस दायित्व को लेकर के उनके आसपास गांव और संगठन के चाहने वाले लोगों में खुशी की लहर व्याप्त है श्री सोनी को यह जिम्मेदारी मिलते ही उनके चाहने वालों में काफी खुशी की लहर देखी जा रही है, इस जवाबदारी पर श्री सोनी ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के अनुमति के अनुसार जो जिम्मेदारी दी गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका आज रहेंगी अवकाश पर

सिंगरौली। जिले में कल 25 फरवरी को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं एक दिवसीय धरना एवं आंदोलन में शामिल होंगी। इस संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ, रीवा संभाग म.प्र. द्वारा जिला प्रशासन को लिखित सूचना दे दी गई है। संघ के अनुसार भारतीय मजदूर संघ के आवाहन पर 25 फरवरी को देशव्यापी एक दिवसीय धरना एवं आंदोलन आयोजित किया जा रहा है।

पीएम-एसवाईएम योजना के पंजीकरण में तेजी

सिंगरौली। पीएम-एसआईएम जिले में सामाजिक सुरक्षा का एक सशक्त माध्यम बन रही है। इस योजना का उद्देश्य उन श्रमिकों को वृद्धावस्था में आर्थिक संबल प्रदान करना है, जो किसी भी अन्य पेंशन योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 3 हजार रुपये प्रतिमाह की सुनिश्चित पेंशन दी जाती है।

अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से 211 बेरोजगारों का हुआ चयन

अनुभव एवं प्रदर्शन के आधार पर युवाओं का हुआ चयन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। जिला प्रशासन द्वारा सरई में आयोजित रोजगार मेले में अदाणी फाउंडेशन के सहयोग से 18 निजी संस्थाओं द्वारा नौकरी के लिए 211 युवाओं का चयन किया गया। बंधौरा स्थित पावर प्लांट, धिरौली एवं सुलियारी कोल प्रोजेक्ट के आसपास के गांवों में रहने वाले युवाओं के लिए अदाणी फाउंडेशन द्वारा ग्राम नगवा एवं खनुआ में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर से प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर था।

इस रोजगार मेले में आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 5 हजार युवाओं ने चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया, जबकि अदाणी समूह के अलावा कई बड़ी कंपनियों एवं अन्य 15 संस्थाओं की मौजूदगी रही। अदाणी फाउंडेशन द्वारा चयनित सहयोगी संस्थाओं ने उम्मीदवारों का चयन उनकी योग्यता एवं कौशल के आधार पर किया। चयनित अभ्यर्थियों के लिए प्रारंभिक रूप से 15 हजार से 21 हजार प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। अनुभव एवं प्रदर्शन के आधार पर उन्हें आगे और भी बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि रोजगार मेला युवाओं को स्थानीय स्तर पर अवसर प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। सरकार एवं निजी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से क्षेत्र में रोजगार सृजन की दिशा में ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। करसुआलाल गांव की रहने वाली शांतिबाई सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवसर हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम है।

रेत कांड मामला : वायरल वीडियों एवं रोजनामचा का मामला पकड़ा तूल

सोन घड़ियाल अभ्यारण्य बगदरा का अमला सवालों में घिरा, जांच में जुटी है पुलिस, खलासी बता रहा वन अमला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। पिछले दिनों चितरंगी थाना बाउंड्री के समीप से रेत से भरे एक टीपर वाहन को जबरन भगा ले जाने का मामला इन दिनों तूल पकड़ा हुआ है।

सोन घड़ियाल अभ्यारण्य बगदरा के रेंजर की रिपोर्ट पर पुलिस ने वाहन मालिक के साथ-साथ चालक दीपक केवट के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है। लेकिन वायरल वीडियों में चालक अपना नाम नीलू बताया है। अब इसी बात को लेकर रेंजर अभ्यारण्य सोन घड़ियाल कई सवालों के घेरे में आ गये हैं। हालांकि वन अमला अब इसे खलासी बता रहे हैं। यहां बताते चले कि 20 फरवरी की रात में सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के रेंजर अपने स्टाफ के साथ गस्त कर रहे थे तभी रेत से भरे एक टीपर वाहन को सोन नदी से कई किलोमीटर दूर पकड़ कर चितरंगी ला रहे थे कि जैसे ही थाना के सामने टीपर वाहन पहुंचा, चालक लेकर फरार हो गया। इस दौरान वाहन मालिक पर रिवाल्वर से डराने-धमकाने का भी आरोप है। रेंजर चतुर सिंह के रिपोर्ट पर पुलिस ने वाहन मालिक सुर्यांश व चालक दीपक केवट के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया। लेकिन सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के रेंजर का आरोप है कि चितरंगी पुलिस ने सहयोग नही किया, इसीलिए थाना के सामने से वाहन लेकर रेत कारोबारी रेत लेकर चले गये। अब सवाल उठ रहा है कि जिस वक्त सोन घड़ियाल अमला वाहन का पीछा कर रहा था तो क्या पुलिस 100, 112 या चितरंगी या गढ़वा पुलिस को फोन कर अवगत कराया। वहीं सोन नदी परिधि से बाहर झरकटिया सूदा मार्ग में दबिश देने के मकसद क्या था। इस बात की अब चर्चा होने लगी की जिस वीडियों को सोन घड़ियाल के अमले ने बनाया है उस वीडियों में चालक अपना नाम नीलू बता रहा है, फिर एफआईआर में दीपक का नाम कहां से आ गया। उक्त वाहन का असली चालक कौन है? यह अब प्रश्न पूछे जा रहे है। इसमें बलि का बकरा कौन चालक बना है। वहीं यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि सोन घड़ियाल अमला वीडियों को खुद बनाया था और सोसल मीडिया में वायरल कैसे किया। वहीं वन अमला नीलू को खलासी बता रहा है। चर्चा यहां तक है कि रोजनामचा भी सोसल मीडिया में वायरल हो रहा है, आखिरकार यह रोजनामचा पुलिस एवं सोन घड़ियाल अमले के बीच मामला था फिर तीसरे व्यक्ति के यहां कैसे पहुंचा? सोन घड़ियाल अमला उक्त कार्रवाई को लेकर जहां सवालों के लपेटे में सवालों के घेरे में फंसता जा रहा है, वहीं उक्त विभाग के जिम्मेदार अधिकारी भी कई कारनामा किया है, जो अब धीरे-धीरे प्याज के छिलके की तरह परत दर परत खुलने लगा है। हालांकि वन अमले के आरोपो पर पुलिस अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर करें पूर्ण : रानी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। नपानि महापौर रानी अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 38 तुलसी वार्ड बलियरी में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत नल-जल योजना 2.0 के अंतर्गत निर्माणाधीन पानी टंकी एवं पार्षद कार्यालय के कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान वार्ड 38 के पार्षद अनिल वैश्य, वार्ड 43 के पार्षद मो. खुर्शीद आलम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। महापौर ने निर्माण कार्य कर रहे संविदाकार को निर्देशित किया कि कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्यो को पूरा किया जाए। महापौर ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया और कहा कि नगर निगम के सभी 45 वार्ड उनके लिए समान हैं तथा प्रत्येक वार्ड में चल रहे विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वे स्वयं, संबंधित वार्ड पार्षद एवं निगम के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री समय-समय पर निर्माण कार्यो का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे।

हाई टेंशन टावर पर चढ़ना जानलेवा : मनीष

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। जिले में हाल के दिनों में हाई टेंशन विद्युत टावरों एवं अन्य ऊँची संरचनाओं पर व्यक्तियों के चढ़ने की घटनाएँ सामने आई हैं, जिन्हें पुलिस प्रशासन ने अत्यंत गंभीर और जानलेवा करार दिया है।

ऐसी घटनाएँ न केवल संबंधित व्यक्ति के जीवन के लिए खतरा बनती हैं, बल्कि बचाव कार्य में जुटे कर्मचारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। एसपी मनीष खत्री के निर्देशन में सिंगरौली पुलिस ने नागरिकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करते हुए अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में इस प्रकार के जोखिमपूर्ण कृत्यों से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। पुलिस का कहना है कि हाई टेंशन टावर पर चढ़ने से करंट लगने की आशंका बनी रहती है, जिससे तत्काल मृत्यु तक हो सकती है। इसके अलावा ऊँचाई से गिरने का गंभीर खतरा भी बना रहता है। बचाव कार्य के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने से जनजीवन प्रभावित होता है और प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

लाखों के सीसीटीव्ही बने बेकार, अब 10 लाख की नई खरीदी की चर्चा

50 हजार में मरम्मत संभव, फिर अतिरिक्त राशि खर्च करने की तैयारी क्यों?, प्रक्रियाएं प्रगति पर, पारदर्शिता पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

चितरंगी 24 फरवरी। शासकीय स्व. जगन्नाथ सिंह स्मृति महावि. चितरंगी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के नाम पर बीते कुछ वर्षों में लाखों रुपये की लागत से करीब पांच दर्जन सीसीटीव्ही कैमरे लगाए गए थे। उस समय दावा किया गया था कि इससे परिसर में अनुशासन और निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ होगी। लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत नजर आ रही है। अधिकांश कैमरे बंद पड़े हैं और कई मेंटेनेंस के अभाव में खराब हो चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इन कैमरों की मरम्मत 25 से 50 हजार रुपये की राशि में संभव है। इसके बावजूद करीब 10 लाख रुपये की लागत से नए कैमरे लगाए जाने की चर्चाएं तेज हैं। अभी तक कोई औपचारिक टेंडर प्रक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन अंदरखाने प्रक्रियाएं प्रगति पर होने की बात कही जा रही है। सबसे अहम सवाल यह है कि जब सीमित राशि में पुरानी व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सकता है, तो नई खरीदी की आवश्यकता क्यों महसूस की जा रही है ? क्या यह अतिरिक्त राशि के उपयोग को लेकर नई जमीन तैयार करने की कोशिश है, चर्चा है कि इस संबंध में महावि. प्रबंधन, प्रभारी प्राचार्य और डीड कॉलेज बैढ़न स्तर पर प्रस्ताव मंगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। यदि तकनीकी परीक्षण में कैमरे पूरी तरह अनुपयोगी साबित नहीं होते, तो सीधे 10 लाख रुपये खर्च करने की तैयारी शासन के खजाने पर अनावश्यक बोझ साबित हो सकती है। इससे वित्तीय पारदर्शिता और संसाधनों के उपयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व में छात्रवृत्ति संबंधी प्रकरण को लेकर भी महाविद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में नई खरीदी की चर्चाओं ने एक बार फिर प्रशासन को संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है। अब जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होना जरूरी हो गया है।

राम के आदर्शों को जीवन में उतारना सच्ची भक्ति : कथाव्यास

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। चितरंगी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहट स्थित महादेव मंदिर मड़री परिसर में आज दिन मंगलवार से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जीवन गाथा पर आधारित संगीतमय श्रीराम कथा का शुभारंभ किया गया।

आयोजन के प्रथम दिवस से ही क्षेत्र का वातावरण भक्तिरस से ओतप्रोत हो गया। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे परिसर में जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। इस अवसर पर कथा व्यास पूज्य देवी जी सुश्री संतना द्विवेदी के मुखारविंद से

रसमयी अमृतवाणी प्रवाहित हुई। उन्होंने श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, त्याग, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाले प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और संगीतमय प्रस्तुतियों ने भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर राम कथा का रसपान करते नजर आए। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मानव समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके चरित्र से हमें सत्य, सेवा और संयम का मार्ग अपनाने की सीख मिलती है। आज के समय में राम के आदर्शों को जीवन में उतारना ही सच्ची भक्ति है। कथा के माध्यम से समाज में संस्कारों और धार्मिक चेतना को जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संयुक्त कलेक्टर ने 280 आवेदनों पर की सुनवाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। जिले के विभिन्न अंचलो से आये हुयें 280 आम नागरिको ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्रो को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन सुनवाई में संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय को दिया। संयुक्त कलेक्टर पाण्डेय के द्वारा हर एक आवेदन कर्ता की शिकायतो का सुनने के पश्चात जन सुनवाई में उपस्थित कई आवेदन का विभागीय अधिकारियों से समय सीमा के अंदर निराकरण के लिए भेजा गया। जन सुनवाई में पहुंचे आवेदक सरपंच ग्राम पंचायत बैरिहवा ने ग्राम पंचायत बैरिहवा में शामिल ग्राम घोरहवा में विद्युतीकरण करायें जाने के लिए आवेदन दिया।

जनभागीदारी से ही साकार होगा स्वच्छ एवं सुन्दर शहर का सपना : सविता

ननि आयुक्त ने जुड़वा तालाब पार्क का किया निरीक्षण, जुड़वा तालाब पार्क चारों ओर डेकोरिटव लाईट लगाने के निगमायुक्त ने दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 24 फरवरी। ननि आयुक्त सविता प्रधान के द्वारा आज दिन मंगलवार को कलेक्ट्रेट एवं ननि कार्यालय के मध्य निर्मित जुड़वा तालाब पार्क का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि पार्क के चारो ओर रेलिंग के समीप डेकोरिटव लाईट लगाया जाये, साथ ही पार्क की साफ-सफाई व्यवस्था का उचित प्रबंध करने के साथ ही बैठक व्यवस्था के लिए चेयर तथा पार्क में आने वाले आम जनो को शुद्ध पेयजल मिल सके इसके लिए आरओ वाटर भी लगाये जाने के निर्देशित किया। आयुक्त ने पार्क की सुन्दता बढ़ाने के लिए फाउटेन फव्वारा लगाने के साथ ही पार्क में गंदगी न फैले इस के लिए डस्टबीन भी लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि पार्क में कूड़ा-कचरा कहीं भी बिखरा नहीं होना चाहिए। सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से पार्क की देखभाल करनी चाहिए, जिससे आने वाले नागरिकों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सके। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पार्क में अतिरिक्त हरियाली बढ़ाई जाए और अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाए जाए, ताकि पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और लोगों को प्राकृतिक सुंदरता का लाभ मिले। इस दौरान ननि कार्यपालन यंत्री संतोष पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी बीजी चतुर्वेदी, सहायक यंत्री अभय राज सिंह, उपयंत्री विपिन तिवारी मौजूद रहे।

कॉलेज मोड़ की नाली का किया अवलोकन

निगमायुक्त के द्वारा कॉलेज मोड़ में पूर्व में निर्मित की गई नाली का अवलोकन किया एवं वार्ड क्रमांक 39 में नव निर्मित हो रहे तालाब के निर्माण कार्यो का अवलोकन कर स्टोन पिचिंग कार्य में सुधार करने के निर्देशित किया। निगमायुक्त ने रहवासी समितियों के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित कर शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए उनसे सुझाव भी मागे गये। निगमायुक्त ने कहा कि आप सब के सहयोग से ही स्वच्छ एवं सुन्दर शहर के सपने को साकार किया जा सकता है। आगे कहा कि स्वच्छता गतिविधियों में आप सब नगर निगम का सहयोग करें, जन भागीदारी के माध्यम से आम जन मानस में स्वच्छता की अलख जागाई जा सकती है। जब नगर का हर एक व्यक्ति अपने आम जीवन में स्वच्छता को आत्मसात करेगा, तभी शहर स्वच्छ एवं सुन्दर दिखेगा।